
bhagavatIkavacham

भगवतीकवचम्

Document Information

Text title : bhagavatIkavacham

File name : bhagavatIkavacham.itx

Category : kavacha, devii, devI

Location : doc_devii

Author : Traditional

Transliterated by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com

Proofread by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com, NA

Description-comments : Shribrihatkavachasangraha

Source : agnipurANa

Latest update : December 21, 2015

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 22, 2023

sanskritdocuments.org

भगवतीकवचम्



अथ भगवती कवचम् ।

ॐ नमो भगवति वज्रशृङ्खले हन हन
ॐ भक्ष भक्ष ॐ अरे रक्तं पिब कपालेन रक्ताक्षि रक्तपटे
भस्माङ्गि भस्मलिप्तशरीरे वज्रायुधे वज्रप्राकारनिचिते
ॐ पूर्वा दिशं बन्ध बन्ध ॐ दक्षिणां दिशं बन्ध बन्ध
ॐ पश्चिमां दिशं बन्ध बन्ध ॐ उत्तरां दिशं बन्ध बन्ध
ॐ नागान् बन्ध बन्ध नागपत्नीर्बन्ध बन्ध ॐ असुरान् बन्ध बन्ध
ॐ यक्षराक्षसपिशाचान् बन्ध बन्ध प्रेतभूतगन्धर्वादि ये
केचिदुपद्रवास्तेभ्यो रक्ष रक्ष ॐ ऊर्ध्वं रक्ष रक्ष अधो रक्ष रक्ष
क्षुरिकं बन्ध बन्ध ॐ ज्वलमहाबले घटि घटि ॐ मोटि मोटि
सटावलि वज्राङ्गि वज्रप्राकारे हुं फट् हीं हूं श्रीं फट् हीं हः फूं
फ्रें फ्रः सर्वग्रहेभ्यः सर्वव्याधिभ्यः सर्वदुष्टोपद्रवेभ्यः हीं
आमीवेभ्यो रक्ष रक्ष ग्रहभूत ज्वरादिषु सर्वकर्मषु योजयेत् ॥
इत्याग्नेयं भगवतीकवचं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com

bhagavatIkavacham

pdf was typeset on December 22, 2023

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

